3. (क) बैडमिंटन (ख) 17 मार्च 1990 (ग) हरियाणा

(घ) कोच नानी प्रसाद (ङ) कांस्य पदक

पठन एवं लेखन कौशल

1. (क) साइना के पिता का नाम डॉ० हरवीर सिंह नेहवाल और माता का नाम श्रीमती उषा नेहवाल है।

(ख) सन 2004 और 2005 में साइना ने लगातार दो बार नेशनल जूनियरशिप जीतीं और यह सिद्ध कर दिया कि आने वाला समय उसका होगा।

(ग) आज की नारी अंतरिक्ष में पहुँच चुकी हैं, वह एवरेस्ट पर अपने कदम रख चुकी हैं और अनेक प्रतियोगिताएँ जीत रही हैं। इस प्रकार उसने अपनी क्षमता को प्रमाणित कर दिया है।

(घ) बचपन में सभी यह सपना देखते हैं कि वे कुछ ऐसा करें जिससे उनका नाम देश-विदेश में प्रसिद्ध हो जाए।

(ङ) सन 2014 में साइना ने आस्ट्रेलिया ओपन टूर्नामेंट का खिताब जीता।

(क) साइना के माता-पिता दोनों बैडमिंटन खिलाड़ी थे। अत: बैडमिंटन की ओर साइना की रुचि स्वाभाविक थी। पिता ने भी उन्हें प्रोत्साहित किया। आठ साल की उम्र में ही उन्होंने कोच नानी प्रसाद से प्रशिक्षण लेना आरंभ कर दिया। इसके लिए उन्हें प्रतिदिन 50 कि०मी० का रास्ता तय करना पड़ता था।

(ख) साइना के वर्तमान कोच प्रसिद्ध बैडमिंटन खिलाड़ी पुलेला गोपीचंद एवं अतीक जौहरी हैं। उन्होंने साइना को सदा लगनशील बने रहने और कड़ी मेहनत करने की प्रेरणा दी जिसके फलस्वरूप आज वह देश की हर लड़की के लिए प्रेरणा स्रोत है।

(ग) साइना ने छोटी उम्र में बड़ी-बड़ी उपलब्धियाँ हासिल करके इतिहास रच दिया। उसने सन 2004 और 2005 में नेशनल जूनियर चैंपियनशिप और 2006 और 2007 में नेशनल सीनियर चैंपियनशिप जीतीं। 2010 में राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्णपदक और 2012 में ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीत कर इतिहास रच दिया। सन 2014 में उसने आस्ट्रेलिया ओपन टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया।

(घ) परिवार हम सबके जीवन का अभिन्न अंग है। हमारे जीवन में परिवार बहुत महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हमारा परिवार ही हमें प्यार, उत्साह एवं सुरक्षा प्रदान करता है जिसके परिणामस्वरूप हमारी हर मुश्किल आसान हो जाती है। हमारा परिवार हमें भावनात्मक और शारीरिक रूप से शक्तिशाली और आत्मविश्वासी बनाता है। हमारे जीवन की हर सफलता में हमारे माता-पिता के सहयोग, मार्गदर्शन और आशीर्वाद का महत्त्वपूर्ण योगदान होता है।

(क) रुझान

(ख) परिवर्तन

(ग) क्षमता, अग्रसर

(घ) मानसिकता

शब्द संपदा

1. (क) योग्यता (ख) सरल (ग) भाग्य (घ) सपने

2. (क) जीतना (ख) ह्रास (ग) नवीन

   (घ) बौना (ङ) असहयोग (च) असफलता

पाठाधारित व्याकरण

1. (क) सोना (ख) काँसा (ग) स्वप्न (घ) रुचि

2. (क) क्रिया - आरंभ कर दिया सकर्मक क्रिया

   (ख) क्रिया - हासिल किया सकर्मक क्रिया

   (ग) क्रिया - प्रसिद्ध हो गया अकर्मक क्रिया

   (घ) क्रिया - कर दिखाए अकर्मक क्रिया

3. (क) लोहे के चने चबाने जैसा था (ख) लोहा मनवा लिया है

   (ग) दाँतों तले उँगली दबा लेते हैं (घ) इतिहास रच दिया

गतिविधियाँ

1. (क) महात्मा गाँधी का मानना था कि धर्म सत्य और अहिंसा पर आधारित है।

   (ख) धर्म को अपनाने से मनुष्य के जीवन में शांति आती है।

   (ग) अहिंसा का अर्थ है किसी भी प्राणी के प्रति हिंसा का भाव न रखना।

   (घ) (i) अहिंसा-हिंसा (ii) सत्य-असत्य,

   (iii) धर्म-अधर्म, (iv) जीवन-मरण